कृपया प्रकाशनार्थ - **16 अक्तूबर 2009**

भाजपा नेता श्री.राम नाईक और भाजपा - मुंबई अध्यक्ष तथा विधायक श्री.गोपाळ शेट्टी द्वारा शुक्रवार,16 अक्तूबर,2009 को मुंबई में पत्रकार परिषद में प्रसारित किया वक्तव्य

मुंबई में कम मतदान नही हुआ है - भाजपा नेताओं का प्रतिपादन

मुंबई, शुक्रवार : मुंबई में कम दिखनेवाले मतदान को मतदाताओं की उदासीनता नही तो निर्वाचन आयोग की लापरवाही जिम्मेदार है. संख्याशास्त्र के आधार पर मतदान कम हुआ है ऐसा अनुमान निकालना गलत होगा, असल में पुरे महाराष्ट्र के साथ -साथ मुंबईवासीयों ने भी जमकर मतदान किया है, ऐसा प्रतिपादन भाजपा नेता व पूर्व केंद्रिय मंत्री श्री.राम नाईक तथा भाजपा मुंबई के अध्यक्ष व विधायक श्री.गोपाळ शेट्टी ने किया है. मुंबई में आज पत्रकारों को संबोधित करते हुए अपने इस दावे के समर्थन में श्री.नाईक व श्री.शेट्टी ने सबूत भी पेश किए.

श्री.राम नाईक ने पिछले वर्ष 2 जून 2008 को महाराष्ट्र के प्रमुख निर्वाचन अधिकरी श्री.देबाशिष चक्रवर्ती को लाखों दुबार (डुप्लीकेट) मतदाताओं की सूची सौंपी थी. निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्सीमांकन के पहले के मालाड, कांदिवली व बोरीवली इन तीन विधानसभा क्षेत्रों के कुल 18,02,877 मतदाताओं के नामों की मुंबई तथा ठाणे के 40 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची से तुलना करने के बाद 3,80,461 याने 21 प्रतिशत दुबार मतदाता है ऐसी चौका देनेवाली जानकारी देनेवाला रपट भी श्री.राम नाईक ने चुनाव आयोग को दिया था. केवल तीन विधानसभा क्षेत्रों में इतने दुबार मतदाता है तो पुरी मुंबई में कितने होंगे ऐसा सवाल उठाते हुए, घर - घर जाकर नयी मतदाता सूची बनानी चाहीए ऐसी मांग तब भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग से की थी.

तर्क के लिए मालाड, कांदिवली तथा बोरीवली के समान पुरे मुंबई में 20 प्रतिशत दुबार मतदाता है ऐसा मान लिया तो मुंबई में विधानसभा चुनाव में हुआ 46.11 प्रतिशत मतदान वास्तव में 58 प्रतिशत से अधिक है, ऐसा भी श्री.गोपाळ शेट्टी व श्री.राम नाईक ने पत्रकारों से कहा.

दुबार मतदाता कैसे बने ?

दुबार मतदाता हमेशाही गलत मकसद से नही बनते. चूंकी मुंबई महानगर की अपनी अलग विशेषता है, यहाँ के लोग अपना घर बदलते रहते है, घर बदलने के बाद वे स्वाभाविक रुप से नये पते पर अपना नाम मतदाता सूची में डालने का आवेदन करते है, मगर निर्वाचन कर्मचारी उनका नाम नयी जगह डालते वक्त पुरानी जगह से कटवाते नहीं है, यह भी दुबार मतदाता होने की प्रमुख वजह है, ऐसा श्री.गोपाळ शेट्टी ने कहा. श्री.राम नाईक ने तो अपने दामाद श्री.चंद्रशेखर कुलकर्णी के नाम भी तीन बार है ऐसी जानकारी दी. उन्होंने कहा वर्ष 2003 में निवास स्थान बदलने के बाद बार - बार अर्जी भरने के बावजूद भी उनके दामाद का नाम सही पते पर वर्ष 2009 की मतदाता सूची में आया. किंतु अभी भी उनका नाम पुराने पते पर है. साथ - साथ उसी इलाके की दुसरी इमारत में भी गलती से दर्ज किया है. ऐसे और कई दुबार मतदाता सूची में है, ऐसा श्री.नाईक ने कहा.

..2..

मतदाता सूची का सही पुनर्निरीक्षण आवश्यक

हर दस सालों बाद घर - घर जाकर मतदाता सूची का पुनर्निरीक्षण करने का काम सुचारु ढंग से 1996 तक हो रहा था. उसके बाद मतदाता सूची में नाम डालना कम्प्युटर के कारण 'आसान' बन गया. आए हुअे आवदनों पर कारवाई कर नयी पुनर्निरीक्षित मतदाता सूची बनाने काम तब से निर्वाचन आयोग ने शुरु किया. बडे शहरों जैसी आवाजाही छोटे शहरों में, गाँवो मे नहीं होती. घर बदलने की जरुरत भी बाहर कम महसूस होती है, छोटे क्षेत्रों मे लोग एक - दुसरे से भलिभाँती परिचित होते है वैसा मुंबई में संभव नही है. यही वजह है की निर्वाचन आयोग ने घर - घर जाकर पुनर्निरीक्षण न करने से मृतकों के तथा जिन्होंने निवास बदला ऐसे व्यक्तिओं के नाम सूची में वैसे के वैसे रह गये और मात्र नये नामों की सूची ही बढती गयी. इस मामले में भी श्री.राम नाईक ने अपनी ही इमारत का उदाहरण दिया. वे जहाँ रहते है उस 'शिवस्मृती' इमारत की मतदाता सूची में 29 नाम दर्ज है, उनमें से पाँच अब इस दुनिया में नही है, तो पाँच स्थलांतरीत हुए है. याने की सूची में से 33 प्रतिशत मतदाता असल में मतदान कर ही नही सकते. पुरी मुंबई में जगह - जगह यही हाल है, इसलिए वास्तव में कितने प्रतिशत मतदान हुआ यह जानना होगा तो घर - घर जाकर मतदाता सूची का पुनर्निरीक्षण आवश्यक है, ऐसा अभिप्राय भी श्री. गोपाळ शेट्टी व श्री.राम नाईक ने दिया.

दुबार मतदाता ,मृतक, स्थलांतरीत मतदाता आदीओं के नाम अगर मतदाता सूची से निकाल कर कितना मतदान हुआ इसका गणित करें तो ध्यान में आयेगा की मुंबई के मतदाता अपने मतदान के कर्तव्य के प्रति जरा भी उदासीन नही है. बार - बार शिकायत करने के बाद भी मतदाता सूची में जो भारी खामीयाँ है उसके लिए कौन जिम्मेदार तथा जिम्मेदार व्यक्तिपर क्या कारवाई होगी, यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मतदाताओं को स्पष्ट रुप से कहना चाहीए, ऐसी माँग भी राम नाईक व श्री.गोपाळ शेट्टी ने की.

इस संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी, मुंबई ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री.नवीन चावला को विस्तार में आवेदन दिया है. श्री.चावला के सहयोगी उपायुक्त श्री.जय.पी.प्रक ाश व महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री.देबाशिष चक्रवर्ती को भी यह जानकारी दी गयी है, वास्तव में अगर मतदाता सूची का घर -घर जाकर पुनर्निरीक्षण होता है तो शेष महराष्ट्र की तरह मुंबई के मतदाताओं ने भी उत्साह से मतदान किया है, यह ध्यान में आएगा. मतदाता सूची की खामीयों के कारण राजनीतोक कार्यकर्ता को भी लगभग 20 प्रतिशत मतदाता मिलते ही नही है, जिसके कारण उन मतदाताओं को भी अपना नाम है या नही और है तो मतदान कहाँ करना यह न समझने से वे मतदान नही कर पाते. यह कमी भी पुनर्निरीक्षण से दूर हो जाएगी, ऐसा भी श्री.शेट्टी व श्री.नाईक ने कहा.

मुंबईवासी जनतंत्र मानते है, इसिलिए उन्होंने मतदान का कर्तव्य नही निभाया, मतदान के दिन मुंबईकर ने छुट्टी ली ऐसा कहना अयोग्य है. आवश्यकता तो यह है कि निर्वाचन आयोग ने तुरंत मतदान सूचि में आमूल सुधार करने की कारवाई करनी चाहिए, ऐसी माँग भी श्री.राम नाईक व श्री.गोपाळ शेट्टी ने की.

(कार्यालय मंत्री)